Roll No. : ..... Total Pages : 7

1382-P

First Year Arts Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper–II

(गद्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

(इकाई–I)

1. (i) "भारत के आंतरिक व्यापार में जो बड़ी-बड़ी पूंजियाँ कमाई गई हैं, वे इतने जबरदस्त अन्यायों और अत्याचारों द्वारा प्राप्त की गई हैं जिनसे बढ़कर अन्याय और अत्याचार कभी किसी देश या किसी जमाने में नहीं सुने गए।" ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार और शासन के विषय में यह कथन किसका है ?

(ii) वास्कोडिगामा के कालीकट पहुँचने पर उसका स्वागत किसने किया ?

(इकाई–II)

(iii) 'साहित्यकार की आस्था' निबन्ध किस लेखिका ने लिखा है ?

(iv) आपकी पाठ्यपुस्तक में अज्ञेय का कौन-सा निबन्ध शामिल किया गया है ?

(इकाई–III)

(v) बड़ा भया तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंछी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।
इस दोहे में किन भावों को व्यक्त किया गया है ?

(vi) डॉ. नगेन्द्र ने साहित्य का मूल धर्म किसे बताया है ?

(इकाई–IV)

(vii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के प्रसिद्ध नाटकों के नाम लिखिए।

(viii) अभिनय के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

(इकाई–V)

(ix) 'निबन्ध आत्मा को दूसरों तक पहुँचाने का प्रयास है' यह कथन किसका है ?

(x) हिन्दी के प्रमुख ललित निबंधकारों के नाम बताइए।

खण्ड–ब

(इकाई–I)

2. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"आप क्या जनता को उल्लू समझती हैं। कौन नहीं जानता कि जहाँगीर ने अंग्रेजों को व्यापार करने, सूरत में कोठी बनाने और अपनी बस्तियों में अपना कानून लागू करने की छूट दी।

..... शाहजहाँ ने अपनी बेटी के इलाज के बदले पूरे बंगाल भर में अंग्रेजों के माल पर चुंगी माफ की, कोठियाँ बनाने और उनके जहाजों को हुगली तक आने की इजाजत दी .....''।

3. अलख आजादी नाटक की मूल-संवेदना पर टिप्पणी लिखिए।

(इकाई–II)

4. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''यह मूर्तियाँ किस प्रकार के स्मृति चिन्ह हैं ? इस दरिद्र देश के बहुत से धन की एक ढेरी है, जो किसी काम नहीं आ सकती। एक बार जाकर देखने से विदित होता है कि वह कुछ विशेष पक्षियों के कुछ देर विश्राम कर लेने के अड्डे से बढ़कर कुछ नहीं है। माइ लार्ड ! आपकी मूर्ति की वहाँ क्या शोभा होगी ?''

5. हजारीप्रसाद द्विवेदी के ललित निबंध 'देवदारु' में वर्णित देवदारु वृक्ष की विशेषताएँ बताइए।

(इकाई–III)

6. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"प्रभु यदि बड़ा बनने का अवसर दें, तो बट-पीपल बनो, रसाल बनो और यदि नहीं अवसर मिला, तो संतोष करके दूब बनो। तुम्हारी लम्बाई-चौड़ाई-मोटाई तुम्हारा अन्तःकरण, तुम्हारा हृदय, तुम्हारी महानता का मापदण्ड होगा। परिवेश की चिन्ता न करके अन्तः सत्य की चिन्ता करो। यह सनातन हिन्दुस्तानी बोध।"

7. "तुलसी साहित्य प्रतिरोध का साहित्य भी है।" रामविलास शर्मा के इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

(इकाई–IV)

8. हिन्दी में सामाजिक नाटकों की परम्परा पर एक लेख लिखिए।

9. हिन्दी नाटकों पर पाश्चात्य प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

(इकाई–V)

10. निबन्ध को परिभाषित करते हुए उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

11. निम्न गद्य विधाओं की उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए :

(i) संस्मरण

(ii) यात्रावृत्तांत

(iii) आत्मकथा

(iv) जीवनी

(v) डायरी।

खण्ड-स

(इकाई–I)

12. नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'अलख आजादी की' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(इकाई–II)

13. नंददुलारे वाजपेयी ने किन आधारों पर छायावाद की आध्यात्मिकता को मध्ययुग से अलग बताया है।

(इकाई–III)

14. 'अस्ति की पुकार हिमालय निबन्ध में आधुनिक सभ्यता की विसंगति और विडंबना पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की गई है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(इकाई–IV)

15. प्रसादयुगीन नाटक साहित्य पर विस्तृत लेख लिखिए।

(इकाई–V)

16. हिन्दी निबंध के विकास में रामचन्द्र शुक्ल के योगदान पर टिप्पणी कीजिए।